विवरण 2क

ब.अ. 2019-20 और सं.अ. 2019-20 के बीच व्यय के बड़े अंतरों का विवरण

वर्ष 2019-20 के लिए व्यय का संशोधित अनुमान 2019-20 के बजट अनुमान की तुलना में ₹ 87,797 करोड़ की कमी दर्शाता है। व्यय की मदें, जहां अन्तर आए हैं, नीचे दर्शाई गई हैं:-

(₹ करोड़)

		ब.अ. 2019-20	सं.अ. 2019-20	अन्तर बचत(-)/ आधिक्य(+)	
1	संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों को अनुदान और ऋण	9728	28194	(+)	18466
2	रक्षा	305296	316296	(+)	11000
3	ग्रामीण रोजगार	60000	71002	(+)	11002
4	पेंशन	174300	184147	(+)	9847
5	प्राकृतिक आपदाओं के कारण दी गई राहत	8617	18301	(+)	9684
6	पुलिस	85115	90625	(+)	5510
7	रेल	65837	67837	(+)	2000
8	शिक्षा	30871	32514	(+)	1643
9	पेट्रोलियम सब्सिडी	37478	38569	(+)	1091
10	अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजिगत परिव्यय	6599	7265	(+)	66
11	खाद्य सब्सिडी	184220	108688	(-)	75532
12	ब्याज भुगतान	660471	625105	(-)	35366
13	अन्य व्यय	1157817	1110009	(-)	47808
	कुल व्यय	**2786349**	**2698552**	**(-)**	**87797**

वृद्धि निम्नलिखित कारणों से हुई:-

1. वित्त आयोग के पंचाटों और केन्द्रीय करों को निवल आय के राज्य के भाग के एवज में हाल ही में पुनर्गठित संघ राज्य क्षेत्रों जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख को अनुदान।
2. पूंजीगत अधिप्राप्ति / प्रापण के अंतर्गत बड़ी आवश्यकताओं और रक्षा सेवाओं के वेतन का भुगतान करने तथा अन्य कार्यात्मक आवश्यकताओं के लिए।
3. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी कार्यक्रम के अंतर्गत अधिक आवश्यकता।
4. सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान तथा सिविल और रक्षा से सेवानिवृत्त हुए कार्मिकों को भुगतान।
5. गंभीर प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनज़र तत्काल राहत के लिए राज्यों को सहायता का प्रावधान।
6. केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए वेतन के अंतर्गत तथा राशन की लागत की अधिक आवश्यकता।
7. रेलवे सुरक्षा संबंधी निर्माण कार्यों पर वर्धित पूंजीगत व्यय।
8. केन्द्रीय विद्यालय संगठन के लिए अधिक आवश्यकता।
9. एलपीजी सब्सिडी पर वर्धित व्यय।
10. जीसेट 20/24 प्रक्षेपण संवाओं और चद्रयान ।।। पर अधिक व्यय।

कमी निम्नलिखित कारणों से हुई:-

11. कम आवश्यकता।
12. ब्याज भुगतान के अंतर्गत कम आवश्यकता।